जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 12 फरवरी 2019

जामिया के पांच अध्यापकों के अनुसंधान प्रस्तावों को सरकार की स्पार्क योजना से मंजूरी

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के पांच अध्यापकों के अनुसंधाव एवं विकास प्रस्तावों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एसपीएआरसी: स्पार्क: योजना के तहत मंज़ूरी दी गई है। किसी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रस्तावों को यह सबसे अधिक संख्या में मिलने वाली मंजूरी है।

स्पार्क समिति ने अपनी बैठक के े पहले राउंड में 24 देशों के 150 विदेशी संस्थानों में 199 संयुक्त अनुसंधान प्रस्तावों को मंज़ूरी दी।

विश्व के अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों के अनुसंधान कार्यो का नेटवर्क स्थापित करने के लिए भारत सरकार ने ग्लोबल इनिशियेटिव फा ॅर अकेडमिक नेटवक्र्स : ज्ञान: नामक कार्यक्रम की 2015 में शुरूआत की थी। ज्ञान के कामकाज का जायज़ा लेने के बाद भारत सरकार ने भारत के उच्च शैक्षिक संस्थानों और वैश्विक विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त अनुसंधान का प्रसार करने का निर्णय किया।

जामिया के जिन पांच अनुसंधान प्रस्तावों को इस बैठक में मंज़ूरी मिली हैं उनमें कैमिस्ट्री विभाग की साईक़ा इकराम का अनुसंधान विषय ‘मटिरीअल डेराइवड फ्राम बायोमास टूवाडर्स सस्टेंएबल डेवलप्मेंट ’ शामिल है। यह आस्ट्रेलिया की क्वीन्ज़लैंड यूनिवसर्टी के प्रो डैरन मार्टिन के साथ होगा।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डा एहतेशाम हक़ का अनुसंधान डेनमार्क के अलबोर्ग विश्वविद्यालय के प्रो फ्रे ब्लाबजर्ग के साथ होगा। सेंटर फा ॅर मीडिया ऐन्ड गवर्नेंस के प्रो बिस्वाजीत दास के अनुसांधन का विषय है ‘क्रिटिकल पोस्ट मीडिया स्टडीज़ इन एशिया । यह दक्षिण कोरिया के क्यूंग ही विश्वविद्यालय के प्रो अलेक्स ताएक ग्वांग के साथ होगा। सेंटर आ ॅफ बायोटेक्नोला ॅजी के प्रो मुहम्मद ज़ाहिद का अनुसंधान नेशनल सिंगापुर विश्वविद्यालय के डा मानवेन्द्र सिंह के साथ होगा। अंगे्रज़ी विभाग की प्रो निशात ज़ैदी के अनुसंधान का विषय है ‘डिजिटल एप्रिहेन्शन आ ॅफ पोएटिक्स ’। यह अनुसंधान अमेरिका के मिशिगन विश्वविद्यालय के डा एलेक्जेण्डर सीन प्यू के साथ होगा।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक